B.M.E.B.R. Vol. XVIII, No. 3-4 , (1997) pp. 123-128

मारीशस द्वीप में उपलब्ध आयुर्वेदिक जड़ी–बूटियों से उपचार

एम.आर. उनियाल

(प्राप्ति 16-12-98)

प्रस्तुत शोधपत्र में मारीशस द्वीप में उपलब्ध लोकपरम्परागत जड़ी-बूटियों से उपचार विषयक जानकारी दी गई है। मारीशस हिन्द महासागर के गोद में बसा एक नैसर्गिक मनोरम द्वीप है। यह द्वीप उष्णकटिबन्धीय जलवायु वाला है। मारीशस के नैसर्गिक वन हरे-भरे एवं प्राकृतिक सौन्दर्य लिये हुये हैं। वन और वनस्पति इस द्वीप की शोभा है। द्वीप के मध्य में दो हजार वर्ग किलोमीटर समतल भू-भाग है। सर्वोच्च उँचाई वाला स्थान ८०० मीटर ऊंचा है। चारों ओर छोटी-छोटी पर्वतश्रृंखलायें मध्य में शस्य-श्यामला हरे-भरे मैदान और द्वीप के चारों ओर विशाल समुद्र इसकी सीमा बांधे हुये हैं।

इस द्वीप में भारतीय चिकित्सा में उपयोगी लगभग १५० किस्में पाई जाती हैं। मुख्य रूप से इस द्वीप में कुटज, अशोक, पाटला, गम्भारी, विल्व, आमलकी, जामुन, श्योनाक, अश्वत्थ, नीम, वट, पीपल, उदुम्बर, चन्दन, नारियल, पलाश, अर्जुन आदि के एवं औषधीय पादपों में ब्राह्मी, अश्वगन्धा, पुनर्नवा, शतावरी, कण्टकारी, गोक्षुर, चित्रक, बला, अतिबला, जायफल, भृंगराज, प्रसारिणी आदि उपयोगी प्रजातियां इस द्वीप में पाई जाती हैं।